

प्याज की खेती का विज्ञान और कला: इस महत्वपूर्ण फसल को उगाने की मार्गदर्शिका



**डॉ. सुभाष वर्मा^{1*}, डॉ.
सोहन लाल नारोलिया²**

¹सहायक प्रोफेसर, एकलव्य
विश्वविद्यालय, दमोह (म.प्र.)-
470661

²पीएच.डी., उद्यान विज्ञान विभाग,
एसकेएनएयू, जोबनेर, जयपुर,
(राजस्थान)

प्याज (*Allium cepa* L.), एक विश्व स्तर पर प्रिय फसल, न केवल रसोई की आवश्यकता है बल्कि लाखों किसानों के लिए आय का स्रोत भी है। यह लेख प्याज की खेती के महत्वपूर्ण पहलुओं की खोज करता है, जिसमें जलवायु, मिट्टी की आवश्यकताएँ और उन्नत कृषि पद्धतियाँ शामिल हैं। नर्सरी तैयार करने से लेकर कटाई और विपणन तक, यह मार्गदर्शिका सर्वोत्तम उपज और लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए संपूर्ण जानकारी प्रदान करती है। रोग और कीट प्रबंधन के साथ-साथ स्थायी कृषि तकनीकों पर भी जोर दिया गया है, जो प्याज की आर्थिक क्षमता और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में इसकी भूमिका को उजागर करता है।

प्याज, जिसे "रसोई की रानी" भी कहा जाता है, विश्व भर में हर रसोई का एक अनिवार्य हिस्सा है। अपने विशिष्ट स्वाद और बहुउद्देशीय उपयोगों के लिए

प्रसिद्ध, प्याज न केवल एक पाक सामग्री है बल्कि किसानों के लिए लाभदायक फसल भी है। यह लेख प्याज की खेती के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालता है,

जैसे मिट्टी की तैयारी, रोपाई, और कटाई, ताकि सफल और संतोषजनक उपज प्राप्त की जा सके।



प्याज क्यों उगाएँ?

1. **उच्च मांग:** प्याज पूरे वर्ष रसोई में उपयोग की जाने वाली आवश्यकता है, जिससे बाजार में स्थिरता रहती है।
2. **पौष्टिकता:** विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर प्याज एक स्वस्थ आहार में योगदान देता है।
3. **आर्थिक लाभ:** सही देखभाल और प्रबंधन के साथ प्याज की खेती से किसानों को उच्च लाभ हो सकता है।

प्याज की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और मिट्टी

- **जलवायु:** प्याज हल्की जलवायु में अच्छा बढ़ता है। यह विभिन्न तापमानों को सहन कर सकता है लेकिन अत्यधिक ठंड और नमी के प्रति संवेदनशील होता है। 13-24°C का तापमान आदर्श है।
- **मिट्टी:** प्याज के लिए अच्छी जल निकासी वाली बलुई दोमट या दोमट मिट्टी, जिसकी pH 6-7 हो, उपयुक्त होती है। जैविक सामग्री से समृद्ध मिट्टी बल्ब के विकास में सहायक होती है।

प्याज की किस्में

- **लाल प्याज:** गर्म जलवायु के लिए उपयुक्त; सामान्यतः खाना पकाने में उपयोग किया जाता है।
- **सफेद प्याज:** हल्के स्वाद वाला; सलाद और कच्चे उपयोग के लिए आदर्श।
- **पीला प्याज:** बहुउपयोगी और लंबे समय तक संग्रहीत किया जा सकता है; कई व्यंजनों में पसंदीदा।
- **स्प्रिंग प्याज:** युवा अवस्था में कटाई की जाती है; सलाद और सजावट में लोकप्रिय।

प्याज की खेती के चरण

1. नर्सरी की तैयारी

- 15-20 सेमी ऊँचाई और 1 मीटर चौड़ाई के उठे हुए बेड तैयार करें।
- मिट्टी में 5-6 किलो प्रति वर्ग मीटर गोबर की खाद (FYM) मिलाएँ।
- 5 सेमी की दूरी पर पंक्तियों में बीज बोएँ और हल्की मिट्टी से ढक दें।
- बेड को नियमित रूप से पानी दें और समान अंकुरण के लिए सूखी घास या पुआल से ढक दें।

2. रोपाई

- बीज अंकुरण के 6-8 सप्ताह बाद, जब पौधे 12-15 सेमी ऊँचाई के हो जाएँ, रोपाई करें।
- पौधों के बीच 15 x 10 सेमी की दूरी बनाएँ ताकि बल्ब का सही विकास हो सके।
- रोपाई शाम को करें ताकि पौधों को झटका न लगे।

3. उर्वरक प्रबंधन

- खेत की तैयारी के समय प्रति हेक्टेयर 20-25 टन गोबर की खाद डालें।
- NPK उर्वरकों का 100:50:50 किग्रा/हेक्टेयर की दर से उपयोग करें।
- नाइट्रोजन को तीन भागों में बाँटें: रोपाई के समय, रोपाई के 30 दिन बाद और बल्ब बनने के समय।

4. सिंचाई प्रबंधन

- प्याज की अच्छी वृद्धि के लिए नियमित नमी की आवश्यकता होती है।
- रोपाई के तुरंत बाद और उसके बाद 7-10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।
- बल्ब पकने के समय सिंचाई कम करें ताकि सड़न से बचा जा सके और उचित सुखाई हो सके।



5. खरपतवार प्रबंधन

- खेत को विशेष रूप से प्रारंभिक वृद्धि चरण में खरपतवार मुक्त रखें।
- खरपतवार प्रबंधन के लिए हाथ से निराई या पूर्व-उद्भव शाकनाशियों का उपयोग करें।

6. कीट और रोग प्रबंधन

- **थ्रिप्स:** थ्रिप्स संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए डाइमिथोएट (0.05%) या नीम तेल का छिड़काव करें।
- **पर्पल ब्लाच:** फफूंद रोग को नियंत्रित करने के लिए मैकोज़ेब या क्लोरोथालोनिल का उपयोग करें।
- **बेसल रोट:** उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और जलभराव से बचें।

प्याज की कटाई

जब 50-70% पौधों की पत्तियाँ गिर जाएँ, तब प्याज की कटाई करें। बल्ब को धीरे-धीरे उखाड़ें ताकि चोट न लगे और उन्हें 2-3 दिनों के लिए खेत में सूखने दें।

सही तरीके से सुखाने से प्याज का भंडारण जीवन बढ़ता है और सड़न से बचाव होता है।

भंडारण और विपणन

- प्याज को अच्छी तरह हवादार शेड में स्टोर करें ताकि नमी जमा न हो।
- थोक भंडारण के लिए जालीदार बैग का उपयोग करें ताकि हवा का प्रवाह बढ़े।
- बेहतर लाभ के लिए प्याज का विपणन उच्च मांग के मौसम में रणनीतिक रूप से करें।

आर्थिक लाभ

औसतन, प्याज की खेती से प्रति हेक्टेयर 25-40 टन की उपज प्राप्त की जा सकती है। आधुनिक तकनीकों और अच्छी कृषि पद्धतियों को अपनाकर, किसान अपनी उपज और गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं, जिससे स्थानीय और निर्यात बाजारों में लाभ मिल सकता है।

निष्कर्ष

प्याज की खेती न केवल एक लाभदायक प्रयास है, बल्कि यह वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। सही पद्धतियों और प्रबंधन के साथ, किसान उच्च उपज, उत्कृष्ट गुणवत्ता और पर्याप्त लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। चाहे आप एक अनुभवी किसान हों या कृषि में नए हों, प्याज एक आकर्षक और संतोषजनक फसल है जिसे उगाने में आनंद आता है।

संदर्भ

1. पांडे, यू.के. (2020). *उन्नत सब्जी खेती प्रथाएँ*। नई दिल्ली: एग्रीटेक प्रकाशन।
2. राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) प्याज खेती पर दिशानिर्देश।
3. कृषि और संबद्ध क्षेत्र सांख्यिकी (2023)। भारत सरकार, कृषि मंत्रालय।
4. सिंह, आर. और कुमार, पी. (2021)। "प्याज खेती: प्रथाएँ और चुनौतियाँ," *भारतीय बागवानी अध्ययन पत्रिका*।